रामनाम जीवन का आधार है– युवराज स्वामी

चित्रकूट 07 अप्रेल 2019। श्री रघुवीर मंदिर ट्रस्ट बडी गुफा जानकीकुण्ड चित्रकूट में परमपूज्य रणछोडदास जी महाराज एवं भगवान कामतानाथ के सानिध्य में रामचरित मानस का ज्ञान रूपी यज्ञ हो रहा है। कथावाचक श्री युवराज स्वामी श्री बद्रीप्रपन्नाचार्य जी महाराज ने बताया कि रामचरित मानस का आधार रामनाम है। रामनाम वह शब्द है जो कहने और सुनने में सबसे सरल है जिसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। महाराज जी ने बताया कि बालक, बृद्ध चाहे नर हो या नारी सभी इस पवित्र कथा को सुनने के अधिकारी हैं लेकिन कथा सुनने के लिये मन में भक्ति का भाव होना चाहिये। जिनके अंदर भाव नहीं है वो कथा सुनकर भी कथा का सार नहीं समझ पाते। जिस प्रकार माला की सभी कुण्डलियां धागे के एक सूत्र में पिरोई रहती हैं उसी प्रकार सभी वेदग्रन्थों का सूत्र रामचरित मानस कथा है जिसके सुनने मात्र से ब्रम्ह सूत्र का परिचय होता है जो जीवन का लक्ष्य तक पहुॅचाता है। महाराज जी ने बताया कि मानस कथा वह कथा है जिसे सुनना देवताओं को दुर्लभ है। चौरासी लाख योनि के बाद मनुष्य का जीवन मिलता है। मनुष्य की देह को प्राप्त करके ही भगवान को जान सकते हैं ब्रम्ह को जान सकते हैं। ईश्वर का जानना कठिन नहीं है, कठिन है ईश्वर को जानने का विचार प्रकट होना। महाराज जी ने बताया कि रामचरित मानस कथा पारस मणि की तरह है जिस प्रकार पारसमणि को छूते ही लोहा सोना बन जाता है उसी प्रकार मानस कथा के श्रवण से मनुष्य का जोवन धन्य हो जाता है। मानस कथा के दूसरे दिन हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित रहे। यह मानस कथा 14 अप्रेल तक अनवरत चलेगी। इसका लाभ सभी श्रद्धालु अवश्य उठायें।